युवा बन सकते हैं विकास के अग्रदूत : सिंधिया

जेआरडी टाटा अवॉर्ड्स में बोले संचार मंत्री, उचित मार्गदर्शन है कुंजी

नयी दिल्ली, 30 जुलाई (वार्ता) केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि युवाओं को उचित मार्गदर्शन मिले तो वे देश की विकास गाथा के अग्रणी वाहक बन सकते हैं. सिंधिया ने यहाँ इंडिया हैबिटेट सेंटर में भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट द्वारा आयोजित जेआरडी टाटा अवॉर्ड्स 2025 प्रदान करने के बाद कहा कि जिन उद्यमियों को आज पुरस्कार मिले हैं, वे समावेशी विकास की शक्ति का प्रमाण हैं.

इनकी सफलताएं यह दर्शाती हैं कि यदि उचित मार्गदर्शन और समर्थन मिले तो ग्रामीण और शहरी युवा देश की विकास गाथा के अग्रणी वाहक बन सकते हैं.

उन्होंने कहा कि जब हम एक अधिक समतामूलक और टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, तब यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि क्षेत्रीय विकास और पर्यावरणीय लचीलापन सुनिश्चित करने की कुंजी उद्यमिता में ही निहित है. समारोह में उन सूक्ष्म उद्यमियों और उनके मार्गदर्शकों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने देश में समावेशी और टिकाऊ उद्यमिता तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. स्वर्गीय जेआरडी टाटा की स्मृति में 1995 में स्थापित, ये पुरस्कार भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट द्वारा समर्थित सूक्ष्म उद्यमियों और उनके मार्गदर्शकों को दिये जाते हैं. भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट अब तक 20 लाख से अधिक युवाओं को वित्त और मार्गदर्शन उपलब्ध करा चुका है. उसने 820 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित करवाए हैं और पाँच लाख से अधिक रोजगार सृजित किये हैं.

इस वर्ष एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर पुरस्कार सम्पत जी. को प्रदान किया गया, जो शिमी डिज़ाइन्स नामक कंपनी का संचालन करते हैं. यह कंपनी इंजीनियरिंग डिज़ाइन सेवाएं प्रदान करती है. वे दो अन्य कंपनियां भी चलाते हैं, जो विभिन्न उद्योगों में मैनपावर और सुरक्षा समाधान उपलब्ध कराती हैं. उर्जा सौर इलेक्ट्रॉनिक्स नामक सौर ऊर्जा कंपनी चलाने वाले मयूर हीवरकर को उपविजेता चुना गया. यह कंपनी ग्रामीण और शहरी समुदायों को छतों पर लगने वाले सोलर सिस्टम, सौर उत्पाद और अन्य नवाचारी ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराती है.

वुमन एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर का सम्मान ई. पंचमिर्थम को दिया गया, जिन्हें इंडो टूल्स एंड डाइज़ नामक एक विनिर्माण कंपनी स्थापित करने के लिए सम्मानित किया गया. यह कंपनी भारत और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इंजीनियरिंग ग्राहकों को सेवाएं देती है. लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड रवि जे. को प्रदान किया गया, जिन्होंने रिलायंस डायमंड टूल्स नामक कंपनी की स्थापना की. यह कंपनी उच्च सटीकता वाले डायमंड टूल्स और नवाचारी टूल प्रबंधन सेवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर पहचानी जाती है. भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट की संस्थापक और प्रबंधन ट्रस्टी लक्ष्मी वी. वेंकटेशन ने कहा कि जेआरडी टाटा पुरस्कार भारत के सूक्ष्म उद्यमियों की भावना और दृढ़ता का उत्सव हैं.

रुपया लगातार तीसरे दिन टूटा, 87 रुपये प्रति डॉलर के करीब

मुंबई, 30 जुलाई (वार्ता) विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की माँग आने से मंगलवार को रुपये में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही. भारतीय मुद्रा 20.75 पैसे टूटकर 86.91 रुपये प्रति डॉलर पर आ गयी जो करीब डेढ़ महीने का निचला स्तर है. रुपये पर शुरू से ही दबाव रहा. यह 86.76 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और इसके बाद लगातार लुढ़कता हुआ 86.92 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गया. अंत में यह 86.91 रुपये प्रति डॉलर पर रहा. दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर आज 0.42 रुपये प्रति डॉलर मजबूत हुआ. साथ विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूँजी बाजार से 77.8 करोड़ डॉलर निकालने से भारतीय मुद्रा दबाव में रही.

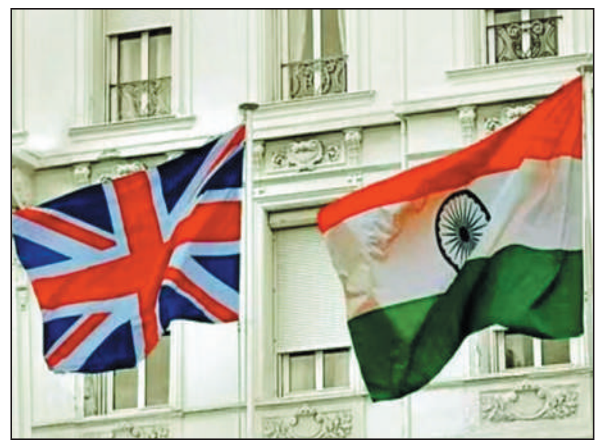

ब्रिटेन के साथ एफटीए से हर क्षेत्र में होंगे असीमित अवसर

ब्रिटेन के साथ एफटीए से हर सेक्टर को मिलेगा लाभ

सीए अब में ऑनलाइन या ऑफलाइन कर सकेंगे कार्य

नयी दिल्ली, 30 जुलाई (वार्ता) भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान (आईसीएआई) के अध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा ने बुधवार को कहा कि ब्रिटेन के साथ पिछले दिनों हुये मुक्त व्यापार समझौते से हर सेक्टर में असीमित अवसर होंगे.

नंदा ने यहाँ एक संवाददाता सम्मेलन में एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि ब्रिटेन के साथ एफटीए की खास बात यह है कि इसमें सेवा क्षेत्र को भी शामिल किया गया है. इससे भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) के लिए वहाँ जाकर या वहाँ के क्लाइंटों के लिए ऑनलाइन काम करना संभव हो सकेगा.

उन्होंने बताया कि आईसीएआई ने अपने एक हजार से अधिक सदस्यों को अमेरिका के लिए प्रशिक्षित किया है. ब्रिटेन के लिए अगले महीने कोर्स शुरू किया जायेगा. आईसीएआई अध्यक्ष ने कहा कि एफटीए ने एक मंच प्रदान किया है, जिस पर आगे बढ़ते हुए हमें प्रदर्शन करना है. उन्होंने कहा कि एफटीए में सेवा क्षेत्र को शामिल करने के साथ वीजा शर्तों को आसान किया गया है.

हमारे देश में युवा आबादी सबसे ज्यादा है. हम अपने बच्चों के शुरू से ही व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध अंग्रेजी सिखाते हैं. भारतीयों के अंदर काम करने का जज्बा और ईमानदारी कूट-कूटकर भरी है. इसलिए, यह हमारे लिए बड़ा अवसर है.

टैक्स ऑडिट की सीमा 60 तय कर दी गयी

उल्लेखनीय है कि संस्थान ने कनाडा, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के लिए भी अपने सदस्यों के लिए प्रशिक्षण शुरू करने की घोषणा की है. श्री नंदा ने बताया कि सेक्शन 44एबी के तहत प्रत्येक सीए के लिए टैक्स ऑडिट की सीमा 60 तय कर दी गयी है. अब एक सीए 60 से अधिक टैक्स ऑडिट पर हस्ताक्षर नहीं कर सकेगा.

जून में डिजिटल भुगतान 9.10 लाख करोड़ पार

नई दिल्ली, 30 जुलाई. एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में व्यापारियों को किए गए डिजिटल भुगतान में जून माह में वार्षिक आधार पर लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो ?9.10 लाख करोड़ तक पहुंच गया है. बुधवार को जारी इक्विरस प्रतिभूतियों के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है.

व्यक्ति से व्यापारी भुगतान डिजिटल भुगतान का सबसे बड़ा आधार बना रहा, जिसमें 22 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ ?6.8 लाख करोड़ का भुगतान हुआ. ऋण पत्र (क्रेडिट कार्ड) खर्च में 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई, जो 1.8 लाख करोड़ तक पहुंच गया. वहीं डेबिट कार्ड खर्च में पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत की गिरावट आई और यह ?35,300 करोड़ रहा.

जून माह में कुल डिजिटल भुगतान में व्यक्ति से व्यापारी की हिस्सेदारी 74.5 प्रतिशत रही, जबकि ऋण पत्र की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत रही. रिपोर्ट के अनुसार, व्यक्ति से व्यापारी लेनदेन के कुल मूल्य का लगभग दो-तिहाई भाग 2,000 से अधिक का था.

क्रिप्टो निवेश में दिल्ली-एनसीआर की बादशाहत कायम

नयी दिल्ली, 30 जुलाई (वार्ता) क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म क्वाइनस्विच ने बुधवार को कहा कि दिल्ली-एनसीआर देश के क्रिप्टो निवेश परिदृश्य में लगातार अग्रणी बना हुआ है. क्वाइनस्विच की यहाँ जारी रिपोर्ट 'इंडिया क्रिप्टो पोर्टफोलियो- हाउ इंडिया इन्वेस्ट्स' के 2025 की दूसरी तिमाही के संस्करण में कहा गया है कि क्रिप्टो निवेश के मामले में दिल्ली-एनसीआर देश में शीर्ष पर बना हुआ है. इसके बाद क्रमश: बेंगलुरु और मुंबई का स्थान है. देश के कुल क्रिप्टो निवेश का 26.6 प्रतिशत इन्हीं तीनों महानगरों से आता है. क्वाइनस्विच के उपाध्यक्ष बालाजी श्रीहरि ने कहा, साल 2025 की दूसरी तिमाही क्रिप्टो के लिए वैश्विक स्तर पर विशेष रही.

जन औषधि योजना से 38,000 करोड़ की बचत

2027 तक 25,000 केंद्र खोलने का लक्ष्य तय

अब तक देशभर में खुले 16,912 जन औषधि केंद्र

नई दिल्ली, 30 जुलाई. संसद को मंगलवार को सूचित किया गया कि पिछले 11 वर्षों में जन औषधि केंद्रों ने नागरिकों के लगभग ?38,000 करोड़ बचाए हैं. रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि 30 जून 2025 तक देश भर में 16,912 जन औषधि केंद्र (जेएके) खोले जा चुके हैं.

मंत्री ने कहा कि इस योजना के परिणामस्वरूप, पिछले 11 वर्षों में, ब्रांडेड दवाओं की कीमतों की तुलना में नागरिकों को अनुमानित ?38,000 करोड़ की बचत हुई है.

उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमानों के अनुसार, इस योजना ने परिवारों द्वारा जेब से किए जाने वाले खर्च को 2014-15 में कुल स्वास्थ्य व्यय के 62.6% से घटाकर 2021-22 में 39.4% करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है.

पटेल ने कहा, जन औषधि दवाओं की पहुंच को और बढ़ाने और इस प्रकार जेब से होने वाले खर्च को कम करने के उद्देश्य से, सरकार ने मार्च 2027 तक 25,000 जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा है. उन्होंने बताया कि इन केंद्रों में 2,110 दवाएं और 315 सर्जिकल, चिकित्सा उपभोग्य वस्तुएं और उपकरण शामिल हैं, जो सभी प्रमुख चिकित्सीय समूहों को कवर करते हैं.

इस योजना के तहत उत्पाद बाजार में संबंधित प्रमुख ब्रांडेड उत्पादों की तुलना में लगभग 50-80ब्र सस्ते हैं. योजना के उत्पाद बास्केट में कुल 61 सर्जिकल उपकरण शामिल हैं. पटेल ने बताया कि 2023-24 और 2024-25 के दौरान क्रमश: 1,470 करोड़ और 2,022.47 करोड़ मूल्य की दवाएं बेची गईं.

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी

संसेक्स 143 अंक चढ़ा, निफ्टी 24,855 पर बंद

सूचना तकनीक, एफएमसीजी सेक्टर में लिवाली हावी

मुंबई, 30 जुलाई (वार्ता) विदेशों से मिले मिश्रित रुख के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 143.91 अंक की बढ़त के साथ 81,481.86 अंक पर पहुँच गया. निफ्टी-50 भी 33.95 अंक मजबूत होकर 24,855.05 अंक पर बंद हुआ.

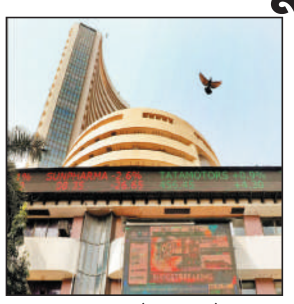

सूचना प्रौद्योगिकी, एफएमसीजी और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में लिवाली का जोर रहा जबकि ऑटो, रियलिटी और बैंकिंग सेक्टरों में बिकवाली देखी गयी.

अच्छे तिमाही परिणाम के दम पर संसेक्स में एलएंडटी का शेयर पाँच प्रतिशत के करीब चढ़ा. सनफार्मा, एनटीपीसी और मारुति सुजुकी के शेयर एक से डेढ़ फीसदी के बीच मजबूत हुये. टाटा मोटर्स में सबसे अधिक लगभग 3.50 फीसदी की गिरावट रही. पावरग्रिड का शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक टूटा. दोनों प्रमुख सूचकांकों में शुरू से ही तेजी रही. संसेक्स करीब 257 अंक की बढ़त के साथ खुला. दोपहर से पहले कुछ समय को छोड़कर यह पूरे दिन हरे निशान में रहा.

बांग्ला अस्मिता के दांव की काट नहीं

कोलकाता. भारतीय जनता पार्टी बांग्ला अस्मिता के दांव की काट नहीं खोज पा रही है. पिछले विधानसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने यह कार्ड बहुत होशियारी से खेला था. उस समय चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर उनके चुनाव का प्रबंधन देख रहे थे. उन्होंने खेला होबे का नारा दिया और साथ ही जय श्रीराम के बरक्स जय मां काली का नारा भी लगवाया. इस बार फिर ममता बनर्जी मां माटी मानुष के नारे पर काम कर रही हैं. उन्होंने 21 जुलाई को शहीद दिवस के कार्यक्रम में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव का एजेंडा तय कर दिया. उन्होंने फिर से देवियों का मुद्दा बनाया है.

पहले दी थी बुखार छुड़ाने की धमकी, अब लग रहा डर

पटना. कुछ दिन पहले उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बुखार छुड़ा देने की धमकी देने वाले विधायक तेज प्रताप यादव को अब डर लग रहा है. वह भी किसी और से नहीं, सम्राट चौधरी से लग रहा है. उन्होंने कुछ मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा-हमको सबसे ज्यादा डर सम्राट चौधरी से लगता है. कब, कहां, क्या करवा दे, पता नहीं. इसी 24 जुलाई को विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव और सम्राट चौधरी के बीच तीखी झड़प हुई थी.

रिलायंस बनी भारत की नंबर-1 कंपनी

कुल 9 भारतीय कंपनियों को मिली वैश्विक मान्यता

सूची में 5 सार्वजनिक और 4 निजी भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2025= रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड 2025 की फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में 88वें स्थान पर पहुंच गई है. कुल 9 भारतीय कंपनियों ने इस प्रतिष्ठित सूची में जगह बनाई है, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज सर्वोच्च रैंकिंग हासिल करने वाली भारतीय कंपनी है.

लगातार 22 सालों से रिलायंस ने फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में अपनी जगह कायम रखी हुई है, जो किसी भी निजी क्षेत्र की भारतीय कंपनी के लिए एक रिकॉर्ड है. पिछले वर्ष कंपनी की रैंकिंग 86 थी, लेकिन यह 2021 से 67 स्थान ऊपर चढ़ी है, तब यह 155वें स्थान पर थी.

फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में कंपनियों की रैंकिंग कुल राजस्व के आधार पर की जाती है. इस वर्ष की सूची में सार्वजनिक क्षेत्र की पाँच और निजी क्षेत्र की चार भारतीय कंपनियां शामिल हैं. रिलायंस के अलावा, भारतीय कंपनियों में एलआईसी 95वें, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन 127वें, भारतीय स्टेट बैंक 163वें, ओएनजीसी 181वें, एचडीएफसी बैंक 258वें, टाटा मोटर्स 283वें, बीपीसीएल 285वें और आईसीआईसीआई बैंक 464वें नंबर पर हैं.

आरबीआई ने 21,000 करोड़ टी-बिल बेचे

मुंबई, 30 जुलाई. भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को 21,000 करोड़ मूल्य के ट्रेजरी बिलों की साप्ताहिक नीलामी सफलता पूर्वक संपन्न की. इस नीलामी में 91-दिवसीय, 182-दिवसीय और 364-दिवसीय अवधि के उपकरणों की बिक्री की गई.

नीलामी में बाजार सहभागियों की ओर से मजबूत मांग देखी गई, तीनों अवधियों में कुल बोलियां 82,000 करोड़ से अधिक रहीं, जबकि पेशकश 21,000 करोड़ की थी, जो अल्पावधि सरकारी प्रतिभूतियों में निवेशकों की निरंतर रुचि को दर्शाता है. 91-दिवसीय टी-बिल- 10,000 करोड़ की अधिसूचित राशि के मुकाबले 9,976.47 करोड़ की बोलियां स्वीकार की गईं. कट-ऑफ प्रतिफल 5.3970 प्रतिशत और भारित प्रतिफल 5.3859 प्रतिशत रहा. 182-दिवसीय टी-बिल 6,000 करोड़ की अधिसूचित राशि के लिए 5,992.57 करोड़ की बोलियां स्वीकार की गईं.

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

SECL/SAM/ABD/DUGM/2025/110, **सूचना** Date: 16.07.2025

दामनी भूमिगत खदान हेतु ग्राम खैरहा के अन्तर्गत ग्राम खैरहा तहसील बुढार जिला शहडोल की अधिग्रहीत भूमियों के अन्तर्गत अधोलिखित दर्शाये गये भूमिस्वामियों के नाम एवं भूआश्रितों के विभिन्न दस्तावेजों के अनुसार विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	1ए पत्रक के अनुसार भूस्वामी का नाम	धारा 9(1) के अनुसार भूमिस्वामी का नाम	वर्तमान भूस्वामी भुगतान के समय	भूआश्रित का नाम एवं संबंध	दस्तावेज में भूआश्रित का नाम: आधार कार्ड	मतदाता परिचय पत्र	रोजगार पंजीयन	शिक्षा प्रमाण पत्र	निवास प्रमाण पत्र	जाति प्रमाण पत्र	राशन कार्ड	अनुविभागीय अधिकारी के सत्यापन पत्र में
1	नीलकंठ पिता भगवानदीन बढई (खसरा नं. / रकवा हे.: 80/2 – 0.089; 82/2 – 0.231; 85/2 – 0.259; कुल = 3 किता – 0.579 हे.)	नीलकंठ पिता भगवानदीन बढई	कस्तुरीबाई पति नीलकंठ, सरस्वती, तारावती, दुर्गेश, रमेश, मीरा, रीना उर्फ भारती पिता नीलकंठ	दुर्गेश कुमार बढई पिता नीलकंठ बढई, स्वयं	दुर्गेश कुमार बढई पिता नीलकंठ बढई		दुर्गेश कुमार बढई पिता नीलकंठ बढई	दुर्गेश कुमार बढई पिता नीलकंठ बढई	दुर्गेश कुमार बढई पिता नीलकंठ बढई	दुर्गेश कुमार बढई पिता नीलकंठ बढई ओ.बी.सी.	दुर्गेश कुमार बढई पिता नीलकंठ बढई	दुर्गेश कुमार बढई पिता नीलकंठ बढई
	भूखना पिता मंगल साहू (खसरा नं. / रकवा हे. / सहमति रकवा हे. में: 178/1 – 0.251 – 0.231)	भूखना पिता मंगल साहू	सीमा बेवा लीलमणी सिंह, सूरज कोमल मोनिका पिता लीलमणी सिंह									
1	हेमलता पति राकेश (खसरा नं. / रकवा हे.: 450/1/3 – 0.008; 495/1/3 – 0.074; 497/2/3 – 0.078; 508/1/3 – 0.728; कुल = 4 किता – 0.888 हे.)	चन्द्रकान्ता पिता पूजा पिता भैयालाल द्रोपती पत्नी भैयालाल रामवती जगौता सती जराजू रामरती पिता दादी झुमिया बेवा ददनी राकेश लल्ला मंतु परवतिया पिता ददनी	हेमलता पति राकेश एकांश खुशी अंशिका अल्का पिता राकेश कचेर	एकांश कुमार कचेर पिता राकेश कचेर स्वयं	एकांश कुमार कचेर पिता राकेश कचेर	एकांश कुमार कचेर पिता राकेश कचेर	एकांश कुमार कचेर पिता राकेश कचेर	एकांश कुमार कचेर पिता राकेश कचेर	एकांश कुमार कचेर पिता राकेश कचेर	ओ.बी.सी.	एकांश कुमार कचेर पिता राकेश कचेर	एकांश कुमार कचेर पिता राकेश कचेर

SECL/SAM/ABD/DUGM/2025/111, **सूचना** Date: 16.07.2025

दामनी भूमिगत खदान हेतु ग्राम कन्दोहा के अन्तर्गत ग्राम कन्दोहा तहसील बुढार जिला शहडोल की अधिग्रहीत भूमि के अन्तर्गत अधोलिखित दर्शाये गये भूमिस्वामियों के नाम एवं भू-आश्रितों के विभिन्न दस्तावेजों के अनुसार विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	1ए पत्रक के अनुसार भू-स्वामी का नाम	धारा 9(1)/ 1ए पत्रक के अनुसार	वर्तमान भू-स्वामी का नाम	भू-आश्रित का नाम एवं संबंध	दस्तावेज में भू-आश्रित का नाम: आधार कार्ड	मतदाता परिचय पत्र	रोजगार पंजीयन	शिक्षा प्रमाण पत्र (कक्षा-9वीं)	निवास प्रमाण पत्र	जाति प्रमाण पत्र	राशन कार्ड	अनुविभागीय अधिकारी के सत्यापन पत्र में
1	शहीद खान पिता वाहिद खान (खसरा नं. / रकवा हे.: 159/2 – 0.405 हे.)	शहीद खान पिता वाहिद खान	शमीम अख्तर बेवा शहीद खान मोहम्मद समीर खान, मोहम्मद शाहिर खान सूरी, मोहसिन खान, सायमा सोफिया नाज़ पिता शहीद खान	तौकीर खान सूरी पिता मोहम्मद समीर खान (अवयस्क)	तौकीर खान सूरी पिता मोहम्मद समीर खान			तौकीर खान सूरी पिता मोहम्मद समीर खान	तौकीर खान सूरी पिता मोहम्मद समीर खान		तौकीर खान सूरी पिता मोहम्मद समीर खान	तौकीर खान सूरी पिता मोहम्मद समीर खान
	सहमतिकर्ता भू-स्वामी अनंत सिंह, अनुसाह सिंह पिता डा. एल एम सिंह (खसरा नं. / रकवा हे.: 350/2/2 – 0.465; 351/2 – 0.040; कुल 2 किता – 0.505)	अनंत सिंह, अनुरुद्ध सिंह पिता डा. एल एम सिंह	अनंत सिंह पिता एल एम सिंह अनिरुद्ध प्रताप सिंह पिता एल एम सिंह									

नोट- भू-स्वामी अनंत सिंह, अनिरुद्ध प्रताप सिंह पिता एल एम सिंह के द्वारा रकवा 0.505 हे. में से तौकीर खान सूरी पिता मोहम्मद समीर खान (अवयस्क) के रोजगार के लिए 0.405 हे. की सहमति दी गई एवं शेष रकवा 0.100 हे. मोनेटरी कम्पनसेसन/नगद क्षतिपूर्ति माग की गई है।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमिस्वामी/भूआश्रितों के नाम में विविधता/भूअभिलेख में विविधता एवं रोजगार प्रदान किये जाने के संबंध में यदि किसी को आपत्ति है तो प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय महाप्रबंधक, सोहागपुर क्षेत्र में दर्ज कराये अन्यथा उपरोक्त भूमिस्वामियों के आश्रितों के रोजगार विषयक कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, सोहागपुर क्षेत्र

राजनीति में कमजोर होता बाहुबल

विरासत बचाने की जद्दोजहद में कई नेता

पटना. बिहार में बहुबल पर क्षेत्रीय क्षत्रप बने नेताओं के इस बार न तो किले सेफ हैं, न उम्मीदवारी मजबूत दिख रही है. ऐसे कई नेता इस बार के विधानसभा चुनाव में अपनी विरासत बचाने के लिए जद्दोजहद करते दिख रहे हैं.

बिहार की सियासत में वक्त के साथ बाहुबल असर और दबदबा दोनों ही कम होता जा रहा है. अधिकतर बाहुबलि इस बार के चुनावी रण से बाहर नजर आ रहे हैं. राजनीतक दल भी अब टिकट देने से परहेज कर रहे हैं. पिछले चुनाव में पप्पू यादव को आरजेडी और कांग्रेस दोनों ने प्रत्याशी नहीं बनाया, उसकी वजह भले ही कुछ और रही हो, लेकिन राजनीतक असर कम होना भी एक कारण रहा.

इतिहास पर नजर डालें तो साठ के दशक में बिहार की राजनीति में स्थापित नेताओं ने ही बाहुबली का प्रयोग अपनी चुनावी जीत के लिए करना शुरू किया. बाद में बाहुबलियों ने उन नेताओं के लिए काम करने के बदले खुद ही सियासत में कदम रख दिया. नब्बे के दशक आते-आते बिहार की राजनीति में बाहुबली एक बड़ी राजनीतिक ताकत बन गये. ये वो कालखंड है, जब बिहार में आनंद मोहन से लेकर अनंत सिह, शहाबुद्दीन, राजबल्लभ यादव, प्रभानाथ सिंह, रामा सिंह, मुन्ना शुक्ला, सुनील पांडेय और पप्पू यादव जैसे बाहुबलियों की राजनीति में सियासी दबदबा था.

राजनीतिक विश्लेषकों की माने तो पिछले कुछ वर्षों से बाहुबलियों का राजनीतिक तेवर राजनेताओं के समानांतर हो गया है.

जैसे अगर कोई बाहुबली जेल जाता है तो उसकी जगह राजनीति में उसकी पत्नी या बेटा आता है. अनंत सिंह, सूरजभान, आनंद मोहन, सुरेंद्र यादव सरीखे बाहुबली में देखा जा सकता है. ये बाहुबली प्रत्यक्ष तौर पर चुनावी राजनीति में आने के बाद राजनेता की तरह ही वंशवाद को प्रश्रय देते हैं, लेकिन बदले हुए दौर में उनके लिए अपने सियासी दबदबे को बनाए रखना आसान नहीं है. आनंद मोहन, अनंत सिंह, शहाबुद्दीन और सूरजभाव जैसे बड़े क्षत्रप का राजनीतिक भविष्य तय नहीं है. वो आज अपनी विरासत बचाने के लिए जद्दोजहद करते दिख रहे हैं.

सियासत बदली तो कम होता गया प्रभाव

नीतीश कुमार की सरकार बनने के बाद बिहार में सियासी हवा बदली और बाहुबलियों पर कानूनी शिकंजा कसा और कई ऐसे नेता जेल गए. इस दौरान बाहुबली नेताओं में परिवारवाद का चलन बढ़ गया. वक्त के बदलन के साथ ही बाहुबलियों की राजनीति भी बदलने लगी. उन्होंने अपनी सियासी विरासत अपने परिवार को सौंप दी, लेकिन इस बार के चुनाव के सियासी चर्चाओं से बाहर बाहुबली नजर आ रहे हैं. बाहुबलियों का जरूर अपने क्षेत्र में नेटवर्क होता है, जो अब टूट रहा है. देश की सियासत भी बदली है, जिसके चलते बाहुबली नेताओं की सियासत कमजोर पड़ी है.